

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 191 | गुवाहाटी | मंगलवार, 11 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

सीएम व अध्यक्ष विरोधी बयानों पर अनिल विज पर गिरी गाज

पेज 2

मणिपुर में सुरक्षाबलों और पुलिस ने उग्रवादी ठिकाने ध्वस्त किए, सात को दबोचा

पेज 3

जीवन की चुनौतियों को स्वीकार करें घबराएं नहीं : मुख्यमंत्री नायब सैनी

पेज 5

जिल टैचमैन ने एकल खिताब जीता प्रिडाकिना और अंशबा बनी युगल चैंपियन

पेज 7

मणिपुर में जल्द सरकार नहीं बनी तो लगेगा राष्ट्रपति शासन : सूत्र



नई दिल्ली/इंफाल। सूत्रों के हवाले से जानकारी सामने आ रही है कि मणिपुर में 10 दिन के अंदर सरकार नहीं बनी तो लगेगा राष्ट्रपति शासन लग सकता है। बता दें कि रविवार शाम मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने राज्य में जातीय हिंसा के लगभग दो साल बाद अपना इस्तीफा दे दिया है। राज्य में हिंसा के बाद कई मुद्दों को लेकर उनकी सरकार पर आलोचना हो रही थी। मुख्यमंत्री ने स्थिति को सुधारने के प्रयास किए थे, लेकिन हालिया घटनाओं के बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने सोमवार को कहा कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को बहुत पहले ही इस्तीफा दे देना चाहिए था। कांग्रेस नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उस पूर्वोत्तर राज्य में दो साल से हिंसा जारी है। उन्होंने कहा कि यह काफी बुरा है, दो वर्ष से लंबित था। कांग्रेस नेता ने बीरेन सिंह के इस्तीफे के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से यह बात कही। बीरेन सिंह ने रविवार को इंफाल के राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। मणिपुर में मई 2023 में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी ने पिछले दो दिनों में अपने संसदीय क्षेत्र में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वह सोमवार को नयी दिल्ली रवाना होने से पहले अपने संसदीय क्षेत्र में जंगली जानवरों के हमले में जान गंवाने वाले लोगों के घर जाएंगी। द्रविड़ मुन्नेत्र कण्ठम (द्रमुक) की नेता कनिमोई ने भारतीय

भाजपा की बंद कमरे में हुई अहम बैठक संबित पात्रा समेत कई विधायक शामिल

नई दिल्ली। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस्तीफे के एक दिन बाद राज्य भाजपा प्रभारी संबित पात्रा ने सोमवार को एक होटल में पार्टी के कुछ विधायकों के साथ बंद कमरे में बैठक की। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बैठक का बीरेन सिंह के इस्तीफे के बाद अगले मुख्यमंत्री के चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। सूत्रों के

मुताबिक, संबित पात्रा ने कम से कम तीन ऐसे विधायकों से मुलाकात की है। जिनके बीरेन सिंह के साथ संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। अगले 48 घंटों में राज्य में कई और बैठकें होने की संभावना है। इस बीच, राज्य की राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है, खासकर संजंथों, सिंगजमेई, -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

अश्लीलता के खिलाफ सीएम हिमंत का एक्शन रणवीर इलाहाबादिया, समय रैना समेत पांच पर मामला दर्ज

गुवाहाटी / नई दिल्ली। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया मुश्किल में फंसे नजर आ रहे हैं। असम पुलिस ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। रणवीर इलाहाबादिया के साथ आशीष चंचलानी, जसप्रीत सिंह, अपूर्वा मखीजा, समय रैना और अन्य के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। असम पुलिस ने स्टैंडअप कॉमेडियन समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेस्ट' के हालिया एपिसोड में कथित तौर पर



अश्लीलता को बढ़ावा देने और अश्लील चर्चा में शामिल होने के लिए यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया और कॉमेडियन समय रैना सहित

अन्य इन्फ्लुएंसर्स के खिलाफ मामला दर्ज किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यूट्यूबर्स और इन्फ्लुएंसर्स आशीष चंचलानी, जसप्रीत सिंह, अपूर्वा मखीजा और अन्य का नाम भी अश्लीलता को बढ़ावा देने के लिए एफआईआर में शामिल किया गया है। 'इंडियाज गॉट लेटेस्ट' में पेरेंट्स पर अश्लील कमेंट करने के बाद रणवीर ट्रोल्स के निशाने पर हैं। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने भी रणवीर इलाहाबादिया -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

2024 में 25 हजार करोड़ रुपए से अधिक के मादक पदार्थ जब्त : गृह मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ड्रास के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत एनसीबी सहित देशभर की सभी कानून-प्रवर्तन एजेंसियों ने 2024 में 25,330 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त किए। इसके पहले वर्ष 2023 में 16,100 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ जब्त किए गए थे। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

धुबड़ी में 34 सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मुख्यमंत्री से सद्भावना उपहार मिला



धुबड़ी। सोमवार को धुबड़ी के सर्किट हाउस कांग्रेस हॉल में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां जिले के 34 सरकारी मान्यता प्राप्त पत्रकारों को असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से सद्भावना उपहार प्राप्त हुआ। पत्रकारों के योगदान को मान्यता देने के उद्देश्य से आयोजित इस पहल का आयोजन जनसंपर्क विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित धुबड़ी जिला आयुक्त दिवाकर नाथ ने पत्रकारों को सद्भावना उपहार सौंपे। इस कार्यक्रम में अगमोनी, गोलकगंज, तामारहाट -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

विधायकों में से ही होगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री महिला सीएम फेस को लेकर भी चर्चा तेज



नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की शानदार जीत के बाद राष्ट्रीय राजधानी में एक महिला मुख्यमंत्री देखने को मिल सकती है। सूत्रों ने इस बात के

संकेत दिए हैं। पार्टी ने 70 में से 48 सीटें हासिल कर आम आदमी पार्टी (आप) के एक दशक लंबे शासन को समाप्त कर दिया है। फिलहाल शीघ्र पद को लेकर चर्चा और अटकलों का दौर जारी है। सूत्रों ने भी बता रहे हैं कि अगला मुख्यमंत्री नवनिर्वाचित विधायकों में से ही चुना जाएगा। सूत्रों ने बताया कि एक महिला विधायक मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में उभर सकती है। सूत्रों ने कहा कि भगवा पार्टी कम प्रतिनिधित्व वाली पृष्ठभूमि से एक उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने पर भी विचार कर रही है, साथ ही कहा -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर की सभ्यता, संस्कृति व जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा चीन का नया बांध : दिलीप सैकिया

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हि.स.)। चीन के तिब्बत के यारलुंग जोंगबो या ब्रह्मपुत्र नद पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के ऐलान के विरुद्ध दरंग-उदालगुरी के सांसद और असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने आवाज उठाई है। सैकिया ने केंद्र सरकार से चीन के साथ द्विपक्षीय वार्ता कर इस बांध के निर्माण को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। नई दिल्ली में सोमवार को संसद में शून्यकाल के दौरान सांसद दिलीप सैकिया ने कहा कि चीन तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नद पर दुनिया के



सबसे बड़े बांध का निर्माण करने जा रहा है। चीन का यह बांध असम और उत्तर पूर्व की जलवायु पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा, जो क्षेत्र की सभ्यता, -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

संस्कृति और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचाएगा। सैकिया ने कहा कि ब्रह्मपुत्र नद तिब्बत से निकलती है और चीन, अरुणाचल प्रदेश और असम होते हुए बांग्लादेश की ओर बहती है। चीन में इस नद को यारलुंग जोंगबो कहा जाता है। ब्रह्मपुत्र नद पर बनने वाला बांध हिमालय की विशाल घाटी में तिब्बती पठार के पूर्वी छोर पर बनाया जाएगा, जो अरुणाचल प्रदेश की सीमा के करीब है। यह क्षेत्र रिंग आफ फायर के जौन में आता है। ऐसी स्थिति में, इस स्थल पर इतना बड़ा निर्माण कार्य पर्यावरण और -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

अदानी और मेयो क्लिनिक मिलकर बनाएंगे विश्वस्तरीय हेल्थकेयर सुविधाएं



हो परमात्मा हैं के अनुरूप देशभर के सभी वर्गों के लोगों के लिए किफायती और विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएं और मेडिकल शिक्षा प्रदान करने के लिए खर्च उठाएगा। पहले दो हेल्थ सिटी परिसर -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

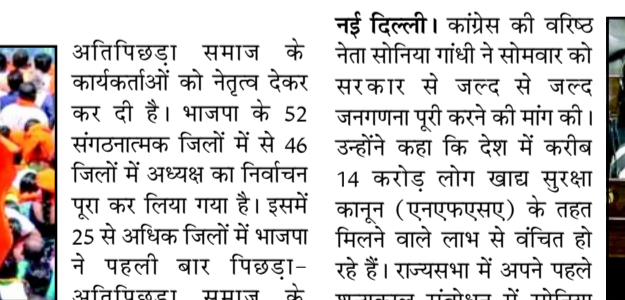
अहमदाबाद (हि.स.)। अदानी समूह के चेयरमैन गौतम अदानी ने अदानी हेल्थ सिटी (एएचसी) के तहत एकीकृत स्वास्थ्य परिसरों की स्थापना की घोषणा की है। यह पहल समूह की नॉन-प्रॉफिट हेल्थकेयर इकाई के माध्यम से संचालित की जाएगी। गौतम अदानी की सेवा भावना सेवा साधना है, सेवा प्रार्थना है और सेवा पटना। दिल्ली विधानसभा चुनाव में परचम लहराने के बाद अब भाजपा की नजर बिहार पर टिक गई है। पार्टी के शीघ्र रणनीतिकार बिहार में सूक्ष्म प्रबंधन के साथ बिहार को साधने की जुगत में जुट गए हैं। संगठन को सुदृढ़ करके बिहार में सत्ता प्राप्त करने के लिए भाजपा आने वाले दिनों में कई नवाचार करने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत पहली बार 50 प्रतिशत से अधिक संगठनात्मक जिलों में जिलाध्यक्ष का दायित्व पिछड़-कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष बनाया है। पार्टी की आगे की रणनीति भी पिछड़ी जातियों की सोशल इंजीनियरिंग को आगे करके 2025 के -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

अब बिहार पर टिकी भाजपा की नजर, 225 सीटों का टारगेट सेट



अतिपिछड़ा समाज के कार्यकर्ताओं को नेतृत्व देकर कर दी है। भाजपा के 52 संगठनात्मक जिलों में से 46 जिलों में अध्यक्ष का निर्वाचन पूरा कर लिया गया है। इसमें 25 से अधिक जिलों में भाजपा ने पहली बार पिछड़ा-अतिपिछड़ा समाज के कार्यकर्ताओं को जिलाध्यक्ष बनाया है। पार्टी की आगे की रणनीति भी पिछड़ी जातियों की सोशल इंजीनियरिंग को आगे करके 2025 के -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

सोनिया गांधी ने जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की



नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने सोमवार को सरकार से जल्द से जल्द जनगणना पूरी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश में करीब 14 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा कानून (एनएफएसए) के तहत मिलने वाले लाभ से वंचित हो रहे हैं। राज्यसभा में अपने पहले शून्यकाल संबोधन में सोनिया गांधी ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के लाभार्थियों को पहचान 2011 की जनगणना के आधार पर की जा रही है, जबकि देश की जनसंख्या अब काफी बढ़ चुकी है। सोनिया गांधी ने -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर



लिये बधाई देता हूँ। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी भ्रष्ट पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। सुकेश ने अपनी चिट्ठी में दावा किया है कि उसने पहले ही चेतावनी दी थी कि केजरीवाल अपनी सीट गंवा देंगे और पार्टी सत्ता से बाहर हो जाएगी। सुकेश ने आगे लिखा है कि अगर आपके पास मेरे पिछले पत्र सुरक्षित हैं तो कृपया उन्हें देखें कि 3, 6 और 8 महीने पहले चुनौती दी थी कि आप चुनाव हार जाएंगे। आज वही हुआ है। आगे सुकेश चंद्रशेखर ने केजरीवाल को राजनीति से संन्यास लेने की नसीहत देते हुए -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संगम में लगायी आस्था की डुबकी

महाकुंभ नगर (हि.स.)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ पहुंचकर संगम में आस्था की डुबकी लगाई। संगम स्नान के बाद उन्होंने लेटे हनुमान मंदिर और अक्षयवट धाम का दर्शन-पूजन किया। पूरे दिन के व्यस्त कार्यक्रम के बाद शाम को राष्ट्रपति दिल्ली लौट गईं। राष्ट्रपति का हेलिकॉप्टर सोमवार करीब सुबह साढ़े नौ बजे बमरौली एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। यहां राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। यहां से राष्ट्रपति अरैल घाट पहुंचीं, जहां से क्रूज पर सवार होकर वह त्रिवेणी संगम पहुंचीं। इस दौरान राष्ट्रपति ने डेक पर खड़े होकर नौका विहार का आनंद भी लिया और



अपने हाथों से पक्षियों को दाना खिलाया। इस दौरान राज्यपाल आनंदी बेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें महाकुंभ के आयोजन और इससे जुड़ी अनेक व्यवस्थाओं की जानकारी भी दी। त्रिवेणी संगम पर डुबकी लगाने से पूर्व राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सपरिवार विधिवत पूजा अर्चना की। संगम में उतरने से पहले राष्ट्रपति ने सबसे पहले पूर्ण आस्था के साथ जल को स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और फिर पवित्र जल में फूल माला और नारियल अर्पित कर समस्त राष्ट्र की समृद्धि व शांति की मनोकामना की। वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच उन्होंने पूरी आस्था के साथ त्रिवेणी संगम में स्नान किया। -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर

सुकेश चंद्रशेखर ने दी केजरीवाल को हार की बधाई, जेल से लिखी चिट्ठी



नई दिल्ली (हि.स.)। मंडोली जेल में बंद कथित ठा सुकेश चंद्रशेखर ने सोमवार को एक बार फिर जेल से चिट्ठी लिखी है। इस बार चिट्ठी दिल्ली विधानसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजों पर है। सुकेश ने चिट्ठी में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर तंज कसते हुए हार की बधाई दी और लिखा है कि आपका सारा अहंकार आपके साथ ही शौचालय में बह गया है और आपकी भ्रष्ट पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। केजरीवाल को चिट्ठी लिखते हुए सुकेश ने लिखा कि सबसे पहले मैं आपको, मनीष और सचेंद्र को अपनी सीटें हारने के लिए बधाई देता हूँ। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी भ्रष्ट पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। सुकेश ने अपनी चिट्ठी में दावा किया है कि उसने पहले ही चेतावनी दी थी कि केजरीवाल अपनी सीट गंवा देंगे और पार्टी सत्ता से बाहर हो जाएगी। सुकेश ने आगे लिखा है कि अगर आपके पास मेरे पिछले पत्र सुरक्षित हैं तो कृपया उन्हें देखें कि 3, 6 और 8 महीने पहले चुनौती दी थी कि आप चुनाव हार जाएंगे। आज वही हुआ है। आगे सुकेश चंद्रशेखर ने केजरीवाल को राजनीति से संन्यास लेने की नसीहत देते हुए -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर



लिये बधाई देता हूँ। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपकी भ्रष्ट पार्टी सत्ता से बाहर हो गई। सुकेश ने अपनी चिट्ठी में दावा किया है कि उसने पहले ही चेतावनी दी थी कि केजरीवाल अपनी सीट गंवा देंगे और पार्टी सत्ता से बाहर हो जाएगी। सुकेश ने आगे लिखा है कि अगर आपके पास मेरे पिछले पत्र सुरक्षित हैं तो कृपया उन्हें देखें कि 3, 6 और 8 महीने पहले चुनौती दी थी कि आप चुनाव हार जाएंगे। आज वही हुआ है। आगे सुकेश चंद्रशेखर ने केजरीवाल को राजनीति से संन्यास लेने की नसीहत देते हुए -श्रेष्ठ पृष्ठ दो पर



ट्रंप की इस्पात, एल्युमीनियम पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की चेतावनी

वाशिंगटन
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा कि उन्होंने कनाडा, मेक्सिको सहित इस्पात और एल्युमीनियम के सभी आयातों पर 25 प्रतिशत का शुल्क लगाने की सोमवार को घोषणा की है। इसके अलावा अन्य आयात शुल्क भी इस हफ्ते के अंत में लागू किए जाएंगे।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका में आने वाले किसी भी इस्पात पर 25 प्रतिशत शुल्क

लगेगा। उन्होंने एल्युमीनियम के बारे में पूछा जाने पर भी उसे व्यापार दंड के अधीन होने की बात कही। ट्रंप ने पारस्परिक शुल्क की घोषणा करते हुए कहा कि यह एक संकेत है कि अमेरिका ऐसे उत्पादों पर आयात शुल्क लगाएगा जिन्हें अन्य देशों ने अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क लगाया है। साइड विपणन के बीच दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति चोई सांग-मोक ने देश के विदेश नीति एवं व्यापार अधिकारियों से बैठक की, जिसमें ट्रंप के शुल्क के प्रस्तावित प्रभाव पर विचार किया गया। दक्षिण कोरिया ने अमेरिका में एक बहुमुखी स्रोत के तौर पर इस्पात और एल्युमीनियम भेजा है।

भारतीय फार्मास्यूटिकल निर्यात उड़ान की ओर

नई दिल्ली। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय फार्मास्यूटिकल निर्यात ने 2023 में लगभग 27 बिलियन डॉलर का आंकड़ा दर्ज किया था। इस संख्या के दोगुने होने की संभावना है, जो 2030 तक 65 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है और 2047 तक यह आंकड़ा लगभग 350 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह रिपोर्ट भारतीय फार्मास्यूटिकल अलायंस (आईपीए), भारतीय औषधि निर्यात संघ (आईडीएएमए) और फार्मावैसल द्वारा तैयार की गई है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा जेनेरिक दवाओं का आपूर्तिकर्ता है और अगर वह नए नवाचार और विविधता को अपने निर्यात बास्केट में शामिल करता है, तो 2047 तक निर्यात मूल्य के मामले में दुनिया के शीर्ष पांच देशों में शामिल हो सकता है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।



न्यूज़ ब्रीफ

सोने और चांदी की कीमतों में मामूली राहत, दिल्ली में 24 कैरेट घटकर 86,810 रुपये, चांदी 99,400 रुपये



नई दिल्ली। सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को मामूली राहत देखने को मिली है। देशभर में सोने की कीमतें बीते हफ्ते बढ़ने के बाद अब थोड़ा नीचे आई हैं। राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट गोल्ड का भाव घटकर 86,810 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया है, जबकि मुंबई में यह 86,660 रुपये प्रति 10 ग्राम है। हालांकि, बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट सोने की कीमत में 2,180 रुपये और 22 कैरेट सोने की कीमत में 2,000 रुपये का इजाफा हुआ है। चांदी की कीमत में भी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे निवेशकों और खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। चांदी 100 रुपये सस्ती होकर 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। इंडीयन सराफा बाजार में 8 फरवरी को चांदी में 300 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई थी, जिससे औसत भाव 95,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया था। 7 फरवरी को दिल्ली के सराफा बाजार में चांदी की कीमत 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर बनी रही थी। सोने और चांदी की कीमतें कई कारकों पर निर्भर करती हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय बाजार, डॉलर की स्थिति, ब्याज दरों में बदलाव, शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और घरेलू मांग शामिल हैं।

जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने ऋण वित्तपोषण चक्र में एक अरब डॉलर जुटाए



नई दिल्ली। अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की कंपनी जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने पिछले कुछ महीनों में प्रमुख वित्तीय संस्थानों से चरणबद्ध ऋण वित्तपोषण में एक अरब अमेरिकी डॉलर जुटाए हैं। कंपनी बयान के अनुसार पिछले कुछ महीनों में पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी), डीबीएस बैंक, एचएसबीसी बैंक और भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (आईआरडीडीए) सहित प्रमुख वित्तीय संस्थानों से कंपनी ने चरणबद्ध ऋण वित्तपोषण में एक अरब अमेरिकी डॉलर सफलतापूर्वक हासिल किए। इसमें कहा गया है कि इन नए ऋण वित्तपोषण से जुनिपर ग्रीन एनर्जी बड़े पैमाने पर नवीकरणीय परियोजनाओं को क्रियान्वित करने, अपनी परिचालन क्षमता को मजबूत करने और स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करने की स्थिति में आ गई है। जुनिपर ग्रीन की कुल क्षमता 1.1 जीडब्ल्यूपी है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बयान में कहा कि वित्त पोषण को हासिल करना हमारे व्यापार मॉडल और हमारी दीर्घकालिक रणनीति की मजबूती को दर्शाता है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी एक स्वतंत्र अक्षय ऊर्जा उत्पादक व संचालक है जो सौर, पवन तथा हाइड्रिड बिजली परियोजनाओं में विशेषज्ञता रखती है।

एलन मस्क ने कहा- टिकटॉक में कोई दिलचस्पी नहीं



वाशिंगटन। अमेरिका में सुरक्षा चिंताओं के चलते टिकटॉक के अमेरिकी कारोबार पर एक नजर है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलन मस्क को इस लोकप्रिय ऐप को खरीदने का सुझाव दिया था। लेकिन एलन मस्क ने अब यह बताया है कि उन्हें टिकटॉक में कोई दिलचस्पी नहीं है। जर्मनी में हुए वेल्ड आर्थिक शिखर सम्मेलन के दौरान एलन मस्क ने यह बयान दिया कि उन्होंने टिकटॉक को खरीदने के लिए कोई बोली नहीं लगाई है और न ही इसके खरीदने की कोई योजना है। उन्होंने साफ किया कि ये नई कंपनियां बनाते हैं, खरीदते नहीं। चीन की इस रिपोर्ट्स को खारिज किया है जिनमें यह दावा किया गया था कि टिकटॉक के अमेरिकी संपत्तियों की बिक्री पर विचार किया जा रहा है। टिकटॉक के प्रवक्ता ने इन खबरों को खारिज किया और कहा है कि यह सभी अफवाहें मात्र कल्पनाएं हैं, जिन पर कोई पुष्टि नहीं की जा सकती। साथ ही ट्रंप ने 75 दिनों की अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया है। एलन मस्क के इन बयानों से स्पष्ट हो गया है कि उन्हें टिकटॉक में दिलचस्पी नहीं है और उनका केवल नए और आवश्यक क्षेत्रों में निवेश करने का ध्यान है।

भारत निवेश और व्यापार सुविधा को बढ़ावा देने के लिए 'ईएफटीए डेस्क' की करेगा स्थापना

नई दिल्ली

भारत यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) के साथ व्यापार, निवेश और व्यवसाय सुविधा को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित मंच 'ईएफटीए डेस्क' की स्थापना कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ईएफटीए ब्लॉक के साथ मिलकर सोमवार को भारत मंडपम में इसका उद्घाटन करेंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ईएफटीए ब्लॉक के साथ नई दिल्ली के भारत मंडपम में ईएफटीए डेस्क का उद्घाटन करेंगे। ईएफटीए ब्लॉक का प्रतिनिधित्व स्विट्स स्ट्रेट सेक्रेटरी हेलेन बुडलिंगर आर्टिड, नॉर्वे के व्यापार एवं उद्योग राज्य सचिव टॉमस नोरबोल, आइसलैंड के स्थायी सचिव मार्टिन आइजोलफसन, लिक्टेस्टीन के विदेश, शिक्षा एवं खेल मंत्री डॉमिनिक हस्लर, ईएफटीए सचिवालय के उप महासचिव मार्कस श्लेगनहोफ और ईएफटीए सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारी डेविड स्वेनभॉर्नसन करेंगे।

भारत और ईएफटीए देशों की 100 से अधिक कंपनियों बिजनेस राउंडटेबल में भाग लेंगी। भारत-ईएफटीए समर्पित डेस्क भारत में विस्तार करने की इच्छुक ईएफटीए कंपनियों के लिए एक केंद्रीकृत सहायता व्यवस्था के रूप में कार्य करेगा। यह बाजार की जानकारी और विनियामक मार्गदर्शन, व्यापार मिलान और भारत की नीति और निवेश परिदृश्य को समझने में सहायता प्रदान करेगा। इस अवसर पर उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और वाणिज्य विभाग (डीओसी) के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे और ईएफटीए देशों के साथ मजबूत आर्थिक भागीदारी के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि भारत और चार यूरोपीय देशों के ईएफटीए ने व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 मार्च, 2024 को एक मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते को आधिकारिक तौर पर व्यापार और आर्थिक भागीदारी समझौता (टीईपीए) कहा जाता है, जिसके इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिक्टेस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं।



महिंद्रा के लाभ में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज

नई दिल्ली। दिसंबर तिमाही के अपने वित्तीय नतीजे में महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने कर पश्चात समेकित लाभ (पीएटी) में 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने के साथ 3,181 करोड़ रुपये का लाभ रिपोर्ट किया। कंपनी ने बताया कि तिमाही में राजस्व पिछले साल की समान तिमाही के 35,299 करोड़ रुपये से बढ़कर 41,470 करोड़ रुपये दर्शाता है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के ऑटो सेगमेंट ने भी मजबूत प्रदर्शन किया, जिसमें तिमाही वॉल्यूम 2,45,000 यूनिट रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही से 16 प्रतिशत अधिक है। यूटिलिटी (यूवी) वॉल्यूम इस तिमाही में 1,42,000 यूनिट रहा। ऑटो सेगमेंट का राजस्व 23,391 करोड़ रुपये रहा, जो 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है, जबकि समेकित पीएटी 1,438 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही से 20 प्रतिशत अधिक है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने घरेलू ऑपरेशनों को शानदार बताया, जबकि अंतरराष्ट्रीय परिचालन में कुछ कमजोरियां देखी गईं, जो अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मैक्रो बाधाओं के कारण थीं। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ अनीश शाह ने कहा कि कंपनी का प्रदर्शन मजबूत है और विशेष रूप से ऑटो और फार्म सेक्टर में बाजार हिस्सेदारी और मार्जिन में टोस वृद्धि देखी जा रही है। टेकएम में बदलाव भी गति पकड़ रहा है, और महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज ने एसेट कालिटी और विकास प्राथमिकताओं को संतुलित करते हुए मजबूत प्रबंधन के तहत परिणामों (एयूएम) की वृद्धि हासिल की है।



अजाक्स इंजीनियरिंग का आईपीओ खुला, 1,269 करोड़ जुटाना चाहती है कंपनी



नई दिल्ली

साल 2025 के दूसरे महीने फरवरी में एक के बाद एक आईपीओ आने का सिलसिला शुरू हो गया है। जनवरी में भी कई आईपीओ आए और उसने बाजार में जोरदार कमाई की। अजाक्स इंजीनियरिंग लिमिटेड का आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफर आ गया है। इसका सब्सक्रिप्शन 10 फरवरी से खुल गया है। बता दें कि यह आईपीओ 12 फरवरी को बंद हो जाएगा। अजाक्स इंजीनियरिंग कंपनी पब्लिक इश्यू के जरिए 2.02 करोड़ शेयर्स बेचकर 1,269.35 करोड़ जुटाना चाहती है। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल है। बता दें कि कंपनी ने आईपीओ का प्राइस बैंड 599-629 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 13 फरवरी को होगा। नॉर्वे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों पर 17 फरवरी को शेयर्स की लिस्टिंग की जाएगी।

एचडीएफसी ने एमसीएलआर रेट्स में बढ़ोतरी की

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने हाल ही में अपनी रेपो रेट को कम करके 6.25 फीसदी कर दिया है, लेकिन इसका दिशा-निर्देश उल्टा दिखाई दे रहा है। देश के प्रमुख निजी बैंक एचडीएफसी ने हाल ही में एमसीएलआर रेट्स में बढ़ोतरी की है, जिसके परिणामस्वरूप लोन इंग्रामाई में वृद्धि हो सकती है। एचडीएफसी बैंक ने ओवरनाइट एमसीएलआर को 9.15 से 9.20 फीसदी बढ़ाकर बैंक लोन की दरों को महंगा कर दिया है। नए ब्याज दरें 7 फरवरी 2025 से लागू हो गई हैं। इसके साथ ही एक महीने, तीन महीने, छह महीने, एक साल, 2 साल से अधिक पीरियड और 3 साल से अधिक पीरियड के लिए भी एमसीएलआर दरें निर्धारित की गई हैं। यह नई दरें बैंकिंग सेक्टर में उत्साह कम कर सकती है और ग्राहकों को लोन चुकाने में अधिक दिक्कतें उत्पन्न कर सकती है।

मेटा ने की 3,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा



फेसबुक, व्हाट्सएप और इन्स्टाग्राम की परेंट कंपनी मेटा ने अपने कर्मचारियों को झटका देते हुए पूरे 3,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने की घोषणा की है। मेटा में कर्मचारियों की यह छंटनी 10 फरवरी से शुरू हो गई है। इस मौके पर वाइस प्रेसिडेंट ऑफ ह्यूमन रिसोर्सेज ने कहा कि मेटा का पहला प्राथमिकता कर्मचारियों की क्षमताओं को बढ़ावा देना है। इसके बावजूद, कंपनी ने इस उलझन में विश्वास जताया है कि यह निर्णय उन्हें और मजबूत बनाएगा। यह छंटनी केवल मेटा ही नहीं, बल्कि अन्य बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों जैसे गूगल, अमेज़न, माइक्रोसॉफ्ट और स्ट्राइप के लिए भी सख्त है। आंकड़ों के अनुसार, यह शीर्ष कंपनियों ने 2025 तक कर्मचारियों की छंटनी की योजना बनाई है।

बसंत में गर्मी का एहसास, गेहूं की फसल को हो सकता है नुकसान

औषध गर्मी के लिए रहें तैयार

नई दिल्ली
बसंत ऋतु के आगमन पर हल्की ठंड का जो एहसास होता था अब वह गायब हो गया। सूरज की तपिश ने सीधे मई की गर्मी को याद दिलाया शुरू कर दिया है। ऐसे में जहां गेहूं की लेट बोवनी हुई थी, उन फसलों को खासा नुकसान होने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दरअसल खबर है कि ओडिशा में इस साल गर्मी का आगमन जल्द हो रहा है, क्योंकि फरवरी की शुरुआत में ही कई जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के क्षेत्रीय कार्यालय ने जानकारी दी है कि रविवार को राज्य के



छह जिलों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया, जो कि सर्दी के विदा होते ही तेजी से गर्मी के

सिंगापुर दुनिया का चौथा सबसे अमीर शहर

सिंगापुर में अब रहते हैं 244,800 करोड़पति, 336 सैटी-करोड़पति और 30 अरबपति

नई दिल्ली

सिंगापुर दुनिया का चौथा सबसे अमीर शहर बन गया है। अब यह शहर दुनियाभर के करोड़पतियों के लिए सबसे पसंदीदा जगह बन चुका है। यह रिपोर्ट बताती है कि सिंगापुर में अब 244,800 करोड़पति, 336 सैटी-करोड़पति और 30 अरबपति रहते हैं। पिछले 10 सालों में करोड़पतियों की संख्या में 64 फीसदी का इजाफा हुआ है जिससे इस शहर-राज्य ने विश्व बैंकिंग में दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर अपनी जगह बनाई है। सिंगापुर एशिया का सबसे धनी शहर बनने की ओर अग्रसर है और ऐसा माना जा रहा है कि यह जल्द ही टोक्यो को पीछे छोड़ देगा। सिंगापुर को व्यापार के लिए सबसे अनुकूल शहर माना जाता है। यहां की आर्थिक स्थिरता, एडुआर्डो लुईज सेवरिन, फार ईस्ट ऑर्गेनाइजेशन के निर्यंत्रक शेरधारक रॉबर्ट और फिलिप एनजी भाई और माइंड्रे बायो-मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स के सह-स्थापक ली जितिंग शामिल हैं।



व्यापारिक माहौल और नीतियों ने इसे दुनिया भर के अमीरों के लिए एक आदर्श स्थान बना दिया है। वहीं फोर्ब्स के अनुसार सिंगापुर में रहने वाले कुछ प्रमुख अरबपतियों में फेसबुक के सह-स्थापक

एडुआर्डो लुईज सेवरिन, फार ईस्ट ऑर्गेनाइजेशन के निर्यंत्रक शेरधारक रॉबर्ट और फिलिप एनजी भाई और माइंड्रे बायो-मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स के सह-स्थापक ली जितिंग शामिल हैं।

सिंगापुर अब न सिर्फ व्यापार के लिहाज से बल्कि जीवन स्तर के हिसाब से भी एक प्रमुख स्थान बन चुका है। यही कारण है कि यह शहर दुनियाभर के अमीर लोगों का पसंदीदा स्थल बन गया है।

बढ़ने का संकेत है।

यह महज ओडिशा की बात नहीं है, बल्कि देश के अनेक प्रांतों में भी गर्मी दस्तक दे रही है और तापमान 30 के करीब पहुंच चुका है। उत्तर भारत से ठंड गायब होने की जानकारी दी जा रही है। जहां तक मध्य प्रदेश का सवाल है तो बता दें कि यहां के कुछ जिलों में ठंड ने दोबारा दस्तक दी है, लेकिन यह ठंड ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है।

जैसे ही ठंडी हवाओं का रुख बदलेगा और सूरज की तपिश से धरती गर्म होगी तो तापमान अपने आप ही 30 के पार हो जाएगा। ऐसे में कहा जा रहा है कि जिन लोगों ने गेहूं की बोवनी लेट की थी उन फसलों पर मौसम की मार पड़ सकती है। मार्च मध्य में काटी जाने वाली फसल को नुकसान होने का अंदेशा जताया जा रहा है। इसका मुख्य कारण मौसम के चक्र में आए बदलाव को बताया जा रहा है।

ओडिशा राज्य में सबसे अधिक तापमान बोलांगीर में 36.67 दर्ज किया गया, इसके बाद टिटलागढ़ में 36 रहा। अन्य स्थानों में तापमान -पारादीप 35.8, सुंदरगढ़ 35.6, भुवनेश्वर 35.1 और चंद्रबली 35 डिग्री रहा।

आईएमडी के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान इसी तरह ऊंचा बना रहेगा, क्योंकि मौसम में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है। गर्मी के इस असामान्य रूप से जल्दी आगमन के कारण लोगों को आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह भी दी गई है।

मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ेगी, हीटवेव (लू) का खतरा भी बढ़ेगा और कुछ जगहों पर तापमान 40 डिग्री सेल्सियस की भी पार कर सकता है। बसंत में ही खत्म हो रही ठंड के साथ ही लोगों को आने वाली भीषण गर्मी के लिए तैयार रहना होगा।



न्यूज़ ब्रीफ

राष्ट्रीय खेल: कर्नाटक का राफिटिंग में दबदबा, महिला और मिश्रित श्रेणियों में भी जीते गोल्ड



देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल में काकड़घाट, बूम मंदिर, टनकपुर में चल रहे राफिटिंग मुकाबलों में राफिटिंग को कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले। विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगी अपनी जबरदस्त टैलेट का प्रदर्शन कर रहे हैं। डाउन रिवर मिक्सड रेस में कर्नाटक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। कर्नाटक का समय 34:07.967 रहा, जबकि महाराष्ट्र ने 35:31.761 के साथ दूसरा और हिमाचल प्रदेश ने 35:44.097 के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्लालम (पुरुष) में सर्विसेज ने 3:40.690 का समय निकालकर गोल्ड जीता। मिश्रित स्लालम में कर्नाटक ने 4:16.370 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि महाराष्ट्र ने 4:21.400 के समय के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

शमी की खराब गेंदबाजी पर भड़के रोहित



कर्नाटक। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की गेंदबाजी से खाले नाराज दिखे। शमी ने लंबे समय के बाद खेल में वापसी की है पर उनकी गेंदबाजी में पहले वाली धार नजर नहीं आ रही। शमी ने 48वां ओवर में इंग्लैंड के गेंदबाज स्पिनर आदिल रशीद को अंतिम दिन गेंदें बेहद खराब फेंकी जिसपर तीन चौक लग गये। इससे भी रोहित भड़क गये। शमी ने जिस प्रकार की गेंदबाजी की वह रोहित की फील्ड प्लेसमेंट से अलग थी जिससे भी रोहित नाराज दिखे। ऐसे में जैसे ही रशीद ने तीसरा चौका लगाया रोहित गुस्से में आ गये और शमी पर भड़क गये। शमी ने 7.5 ओवरों में ही 66 रन दे दिये। इसके बाद शमी जब अपना अगला ओवर फेंकने आये तो वह दबाव में थे। ऐसे में उन्होंने गलती कर दी और विरोधी बल्लेबाज फिल साल्ट ने चौका लगा दिया था। इसी ओवर की छान्ची गेंद पर भी बेन डकेट के खिलाफ शमी पर चौका लगा। वह काफी महंगे रहे। ऐसे में रोहित भी उनके प्रदर्शन से निराश दिखे। पहले 4 ओवरों में ही शमी ने 30 रन लुटा दिए थे।

चैम्पियंस ट्रॉफी से ही स्टार बने थे फखर, कर्माई में भी पीछे नहीं

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज फखर जमान का लक्ष्य आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन करना है। फखर का प्रदर्शन चैम्पियंस ट्रॉफी में हमेशा अच्छा रहा है। फखर ने साल 2017 में अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था। फखर ने साल 2017 के

चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल मैच में शानदार बल्लेबाजी कर पाक को जीत दिलायी थी। फखर ने सात जून 2017 को एजबस्टन में साउथ अफ्रीका के खिलाफ डेब्यू किया था। उन्होंने अपना पिछला एकदिवसीय 19 मई को इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। फखर ने अब तक 82 वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46 के औसत से 3492 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 93 का रहा है। उनका उच्चतम स्कोर नाबाद 120 रन है। जो उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ बनाया था। डेब्यू के बाद ही वह चैम्पियंस ट्रॉफी में शतक लगाकर छा गये। उन्होंने तब भारतीय टीम के खिलाफ 114 रन बनाकर पाक टीम को 338 के विशाल स्कोर तक पहुंचाया था। खेल के साथ ही फखर कर्माई में भी पीछे नहीं हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति 5 मिलियन डॉलर तकरीबन 43 करोड़ भारतीय रुपए के करीब है। उनकी कर्माई मुख्य रूप से क्रिकेट और ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है।



राष्ट्रीय खेल : टेनिस मुकाबले निर्णायक दौर में, सेमीफाइनल और फाइनल के लिए खिलाड़ी तैयार

देहरादून। यहाँ जारी 38वें राष्ट्रीय खेलों में टेनिस मुकाबले अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गए हैं। पांचवें दिन खेले गए क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के बाद सेमीफाइनल के लिए खिलाड़ियों का चयन हो चुका है, जबकि महिला और पुरुष युगल में फाइनलिस्ट तय हो गए हैं।

पुरुष एकल: सेमीफाइनल लाइनअप तय- क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में जबरदस्त खेल देखने को मिला। सर्विसेज के ईशाक इक्रबाल ने पश्चिम बंगाल के नितिन कुमार सिन्हा को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। तमिलनाडु के मनीष सुरेशकुमार ने हरियाणा के उदित कंबोज को 6-4, 6-1 से मात दी। गुजरात के देव वी.

जाविया ने उत्तराखंड के द्रोण वालिया को 6-2, 6-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई, जबकि कर्नाटक के प्रन्विल देव ने दिल्ली के सार्थक सूदन को 6-3, 6-2 से पराजित किया।

सेमीफाइनल मुकाबले इस प्रकार होंगे: ईशाक इक्रबाल (सर्विसेज) बनाम प्रन्विल देव (कर्नाटक), देव वी. जाविया (गुजरात) बनाम मनीष सुरेशकुमार (तमिलनाडु)

महिला एकल: फाइनल की ओर बढ़ी चार खिलाड़ी - महिला एकल क्वार्टरफाइनल में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। कर्नाटक की अमोदिनी नाइक ने हरियाणा की अदिति रावत को 4-6, 6-4, 6-3 से हराया।

गुजरात की वैदेही चौधरी ने हरियाणा की अंजलि राठी को 6-1, 6-1 से शिकस्त दी। महाराष्ट्र की वैश्रवी अडकर ने तमिलनाडु की लक्ष्मी प्रभा अरुणकुमार को 6-3, 7-5 से हराया, जबकि महाराष्ट्र की आकांक्षा निचुरे ने तेलंगाना की लक्ष्मी सीरी दांडू को 6-3, 4-6, 6-2 से मात दी।

सेमीफाइनल मुकाबले इस प्रकार होंगे: वैदेही चौधरी (गुजरात) बनाम आकांक्षा निचुरे (महाराष्ट्र), अमोदिनी नाइक (कर्नाटक) बनाम वैश्रवी अडकर (महाराष्ट्र)

युगल मुकाबले: खिताबी भिड़त तय- महिला युगल सेमीफाइनल में गुजरात की वैदेही चौधरी और झील

देसाई की जोड़ी ने हरियाणा की अंजलि राठी और अदिति त्यागी को 6-3, 6-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना महाराष्ट्र की पूजा इंग्ले और आकांक्षा निचुरे की जोड़ी से होगा, जिन्होंने उत्तराखंड की दिया चौधरी और जया कपूर को 5-7, 6-4, 10-8 से हराया। पुरुष युगल के फाइनल में कर्नाटक के प्रन्विल देव और निक्की के पूनाचा की जोड़ी का सामना सर्विसेज के ईशाक इक्रबाल और फैसल कमर की जोड़ी से होगा। मिश्रित युगल: रोमांचक मुकाबले के बाद फाइनलिस्ट तय मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में कर्नाटक के निक्की के पूनाचा और सोहा सादिक ने हरियाणा के सुनील कुमार और अदिति रावत को 6-2, 6-3 से हराया।

एलएंडटी मुंबई ओपन 2025

जिल टेचमैन ने एकल खिताब जीता प्रिडांकिना और अंशबा बनीं युगल चैंपियन

मुंबई। जिल टेचमैन ने रविवार रात मनचंया सवांगकेव को 6-3, 6-4 से हराकर प्रतिष्ठित एलएंडटी मुंबई ओपन 2025 डब्ल्यूटीए 125 सीरीज एकल खिताब अपने नाम कर लिया। पूर्व विश्व नंबर-21 ने अपना शानदार क्लास दिखाया और मैच पर पूरी तरह नियंत्रण रखते हुए मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में आयोजित इस इवेंट के तौर पर अपने नाम एक और उपलब्धि जोड़ ली।

इस जीत के साथ ही, टेचमैन ने शीर्ष 100 डब्ल्यूटीए रैंकिंग में भी वापसी कर ली है। दूसरी ओर, युगल फाइनल में, रूस की अमोनी अंशबा और एलेना प्रिडांकिना ने प्रार्थना थोम्बारे और एरियन हार्टोनो को रोमांचक 7-6(4), 2-6, 10-7 मैच में हराकर खिताबी जीत हासिल की।

एकल खिताब के विजेता ने 125 रैंकिंग अंक और 15,500 डॉलर का इनाम जीता, जबकि युगल चैंपियन ने 125 रैंकिंग अंक और 5,700 डॉलर का इनाम जीता।

तरोताजा होकर आई टेचमैन और सवांगकेव ने पहले सेट के शुरुआती तीन गेम में एक दूसरे के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और टेनिस का शानदार खेल दिखाया। टेचमैन सेट में 2-1 से आगे चल रही थीं, जिसके बाद उन्होंने अपने लाभ के लिए गति का इस्तेमाल किया और लगातार चार गेम जीत लिए। सवांगकेव के अथक प्रयासों और कोर्ट में तेजी से आगे बढ़ने के बावजूद, वह अपने प्रतिद्वंद्वी के शाट्स में बदलाव की गति से मेल नहीं खा सकीं। सवांगकेव ने अंत में दो गेम जीतकर वापसी करने की कोशिश की, हालांकि, टेचमैन ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

टेचमैन ने दूसरे सेट का पहला गेम जीता, लेकिन सवांगकेव ने पीछे हटने से इनकार कर दिया और स्कोर 1-1 कर दिया। छह गेम के बाद, स्कोर 3-3 था और



दोनों खिलाड़ी अपनी गति से आगे बढ़ रहे थे। टेचमैन ने सवांगकेव को थका देने के लिए रैलियों को लंबा खींचा और उसे गलतियाँ करने पर मजबूर किया। दूसरी ओर सवांगकेव ने नेट के पास आक्रामक तरीके से खेलना जारी रखा। इसके बाद टेचमैन ने लगातार दो महत्वपूर्ण गेम जीते लेकिन सवांगकेव ने एक गेम जीतकर स्कोर 5-4 कर दिया।

फाइनल के अंतिम सेट में, टेचमैन ने लगातार चार

अंक जीतने के लिए अविश्वसनीय स्तर का प्रदर्शन किया और फिर अंततः 6-4 से सेट जीतकर सीधे सेटों में बड़ा मैच जीत लिया। डबल्स फाइनल में, थोम्बारे और हार्टोनो ने आक्रामक इरादे दिखाए और पहले सेट में 4-2 की बढ़त हासिल की। हालांकि, दुर्दृष्टि के साथ खेल रही प्रिडांकिना की अगुआई में रूसी जोड़ी ने जोरदार वापसी की और सेट को टाईब्रेक में ले जाने के लिए मजबूर किया। अपने अच्छे प्रयासों के बावजूद, थोम्बारे और हार्टोनो ने पहला सेट 6-7 से गंवाते हुए टाईब्रेक में मामूली अंतर से हार का सामना किया।

इस झटके से विचलित हुए बिना थोम्बारे और हार्टोनो ने हालांकि दूसरे सेट में फिर से टीम बनाई और बेहतर टीमवर्क और सामरिक समायोजन के साथ सटीक सर्विस और अच्छी तरह से निर्देशित नेट प्ले के साथ रूसियों पर हावी रहे। इस जोड़ी ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मैच को बराबर कर दिया।

अंतिम सेट में दोनों टीमों में कड़ी टक्कर में उलझी रहीं। थोम्बारे और हार्टोनो ने शुरुआत में 5-3 की बढ़त हासिल की और जीत के लिए तैयार दिख रहे थे। हालांकि, रूसी जोड़ी ने मैच में वापसी करते हुए अपनी जगह बनाई। भारी दबाव में, अंशबा और प्रिडांकिना ने अपनी लय हासिल की और अपने विरोधियों को महत्वपूर्ण गलतियों का फायदा उठाकर मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने निर्णायक टाईब्रेक 10-7 से जीतकर चैंपियनशिप पर कब्जा कर लिया।

परिणाम:

एकल: जिल टेचमैन ने मनचंया सवांगकेव को 6-3, 6-4 से हराया।

डबल्स: अमोनी अंशबा और एलेना प्रिडांकिना ने एरियन हार्टोनो और प्रार्थना थोम्बारे को 7-6(4), 2-6, 10-7 से हराया।

चैम्पियंस ट्रॉफी में नजर नहीं आयेगे कमिंस सहित कई स्टार खिलाड़ी



लाहौर। 19 फरवरी से पाकिस्तान और दुबई में खेले जाने वाले आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में कई स्टार खिलाड़ियों के नहीं होने से इसका आकर्षक कम होगा। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस से लेकर दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉटजे सहित कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर हैं। सबसे अधिक पांच ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर इस टूर्नामेंट से बाहर रहेंगे। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी अभी तक पूरी तरह से नहीं उबरें हैं और ऐसे में उनका खेलना भी संदिग्ध नजर आता है। न्यूजीलैंड के मुख्य तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्युसन भी शायद ही खेल पायें। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अंतरराष्ट्रीय लीग टी20 मैच के दौरान ही उन्हें हेमिस्ट्रिया की चोट लग गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोडिनिस ने अचानक ही एकदिवसीय से संन्यास ले लिया है। ऐसे में उनकी कम भी खलेगी।

वह प्लेयर जो टूर्नामेंट में भाग नहीं लेंगे

पैट कमिंस: ऑस्ट्रेलिया के कमिंस टखने की चोट के कारण बाहर हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान और प्रमुख तेज गेंदबाज टखने की समस्या से उबर नहीं पाए हैं, जिसने उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024/25 के दौरान प्रभावित किया था।

जोश हेजलवुड: ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड कूल्हे की समस्या से परेशान हैं। हेजलवुड को पहले कूल्हे और पिंडली में खिंचाव के बाद कूल्हे की समस्या हो गई थी, जिसे ठीक होने में वक्त लगेगा।

मिशेल मार्श: मार्श पीट को चोट से परेशान हैं। ऑलराउंडर को शुरू में ऑस्ट्रेलिया की टीम में नामित किया गया था, लेकिन बाद में पीट की समस्या के कारण उन्हें बाहर कर दिया गया। उनकी अनुपस्थिति ऑस्ट्रेलिया की चुनौतियों को बढ़ा देती है, क्योंकि उन्हें पहले से ही अन्य प्रमुख खिलाड़ियों को बदलने की जरूरत है।

एनरिक नॉटजे: दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉटजे पीट की चोट से परेशान हैं। ऑस्ट्रेलिया अनुपस्थिति टीम की गेंदबाजी लाइनअप के लिए एक बड़ा झटका है।

जसप्रीत बुमराह: भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीट की चोट के कारण परेशान हैं और टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी को लेकर चिंताएं जारी हैं। हालिया रिपोर्टों से पता चलता है कि उन्हें भारत की अस्थायी टीम में शामिल किया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि टूर्नामेंट के लिए समय पर उनके ठीक होने की संभावना है।

शोएब अख्तर को इन तीन टीमों के चैम्पियंस ट्रॉफी सेमीफाइनलिस्ट में पहुंचने की उम्मीदें



पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भारत और मेजबान पाक टीम के अलावा अफगानिस्तान भी आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनलिस्ट में पहुंच सकते हैं। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी को शुरू होगी। इसमें भारतीय टीम के मुकाबले दुबई में खेले जाएंगे। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल की भी संभावना है। वहीं 23 फरवरी को होने वाले भारत-पाकिस्तान मुकाबले में उन्हें पाक टीम की जीत की उम्मीद है। अख्तर ने कहा, अगर अफगानिस्तान की टीम ठीक से खेले तो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच सकते हैं। मेरा मानना है कि पाकिस्तान, भारत और अफगानिस्तान 2025 चैम्पियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचेंगे। अख्तर ने कहा, मुझे उम्मीद है कि 23 फरवरी को पाकिस्तान भारत को हराएगा। मेरा मानना है कि पाक और भारत दोनों को टूर्नामेंट के फाइनल में खेलना होगा। पिछली बार 2017 में चैम्पियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत और पाक में मुकाबला हुआ था। तब पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराया था। अफगानिस्तान ने पिछले कुछ समय से लगातार आईसीसी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। वह 2023 एकदिवसीय विश्व कप में वे छठे स्थान पर रही थीं पर 2024 के टी20 विश्व कप में टीम सेमीफाइनल तक पहुंची थी। उन्हें न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं है।

भारत और न्यूजीलैंड आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में रहेंगे जीत के प्रबल दावेदार : आर अश्विन

नई दिल्ली। अनुभवी स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि भारत और न्यूजीलैंड के आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने की सबसे अधिक उम्मीदें हैं। अश्विन ने साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया टीम के हालांकि कई प्रमुख खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट पर से बाहर हैं पर इसके बाद भी उसकी संभावनाएं कम नहीं आंकी जा सकती हैं। इसका कारण है कि कंगारू टीम बड़े टूर्नामेंटों में लय हासिल कर लेती है। चैम्पियंस ट्रॉफी 19 फरवरी से पाकिस्तान में शुरू होगी। वहीं भारतीय टीम अपने मैच दुबई में खेलेगी।

अश्विन ने कहा, 'भारतीय टीम को दुबई में रहने वाले भारतीय प्रशंसकों का समर्थन मिलेगा। इससे अन्य टीमों को लगेगा कि वे भारतीय हालातों में ही खेल रहे हैं जिसका उन्हें नुकसान होगा। अश्विन का मानना है कि भारतीय टीम को चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारी के लिए त्रिकोणीय टूर्नामेंट में खेलना चाहिए था। अभी भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों



की सीरीज खेल रही है। अश्विन ने सवाल किया, 'इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर क्या चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत की तैयारी पर्याप्त होगी क्या हमें त्रिकोणीय श्रृंखला भी खेलनी चाहिए थी पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान की परिस्थितियों में खेल रहे हैं, जिससे उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी में अधिक सहायता मिलेगी। वहीं भारतीय टीम केवल इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर यहां पहुंचेगी।

अश्विन ने कहा कि इस बार टेंट बॉल्ट और टिम साउदी के बाहर रहने के बाद भी न्यूजीलैंड भारत के लिए परेशानी खड़ी करेगा। उन्होंने

कहा, 'भारत के बाद, न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी में सबसे मजबूत टीमों में से एक है। साउदी और बोल्ट जैसे खिलाड़ी नहीं खेल रहे हैं इसलिए उनके गेंदबाजी आक्रमण को कमजोर माना जा रहा है। मैट हेनरी के साथ टीम में कौन होगा ये देखना होगा।

उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड के पास माइकल ब्रेसवेल और ग्लेन फिलिप्स के साथ एक अनुभवी स्पिन आक्रमण है। यह देखना होगा कि कप्तान मिचेल सेंटनर अपने संसाधनों को किस तरह से इस्तेमाल करते हैं। न्यूजीलैंड निश्चित रूप से एक मजबूत टीम है। वे भारत को चुनौती देने वालों में से एक हैं। अश्विन ने कहा कि आईसीसी टूर्नामेंटों में ऑस्ट्रेलिया हमेशा ही एक मजबूत टीम रही है। उन्होंने कहा, 'कप्तान के रूप में स्टीव स्मिथ शानदार हैं। स्मिथ चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम की कप्तानी करेंगे। उसके पास ट्रेविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल और लाबुशेन जैसे शानदार खिलाड़ी हैं। उसके हालांकि तेज गेंदबाज और नियमित कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड व मिचेल मार्श की कमी खलेगी।

आईएसएल: लगातार हार से बचने के लिए मिड़ेंगे ओडिशा और पंजाब एफसी

भुवनेश्वर। ओडिशा एफसी (जगरनॉट्स) सोमवार शाम कलिंगा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पंजाब एफसी की मेजबानी करेगी। जगरनॉट्स और पंजाब एफसी पिछले मैचों में मिली अपनी-अपनी हार से उबरने की कोशिश करेंगे।

जगरनॉट्स अपने पिछले मैच में एफसी गोवा से 2-1 और पंजाब एफसी आर्सेनल के हाथों 0-3 से हारे थे। पंजाब एफसी जगरनॉट्स पर लीग डबल पूरा करना चाहेंगे, क्योंकि उसने 20 सितंबर, 2024 को रिवर्स फिक्स्चर में 2-1 से जीत हासिल की थी।

ये दोनों टीमों प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने की प्रबल दावेदार हैं। ओडिशा एफसी 19 मैचों में छह जीत, सात ड्रा और छह हार से 25 अंक लेकर तालिका में सातवें स्थान पर है। पंजाब एफसी 18 मैचों में सात जीत, दो ड्रा और नौ हार से 23 अंक लेकर तालिका में नौवें स्थान पर है।



ओडिशा एफसी ने अपने पिछले दो घरेलू मैचों में कई गोल खाए हैं। कुल मिलाकर, जगरनॉट्स ने इस सीजन में सिर्फ तीन बलीन शीट रबी हैं, जो दूसरा सबसे कम है। ओडिशा एफसी (19 मैचों में 37 गोल) ने लीग में दूसरे सबसे ज्यादा गोल किए हैं। उसके लिए मोरिसियो ने नौ गोल दागे हैं, जैरी माहिंगमिंगथांगा और मुर्तदा फाल ने क्रमशः पांच और चार गोल किए हैं।

इस सीजन में, पंजाब एफसी के गेंद पर कुल टच का सिर्फ 3.1 प्रतिशत विपक्षी बॉक्स के अंदर आया है (9587 में से 296)। वो (26 गोल) पांचवीं सबसे कम स्कोर करने वाली टीम है।

पंजाब एफसी ने अपने पिछले नौ मैचों में से केवल एक जीता है और इस दौरान 19 गोल खाए हैं। पंजाब का सीजन दो हिस्सों में बांटा जा सकता है, जिसमें उसने शुरूआती नौ मुकाबलों में से छह जीते और अगले नौ मैचों में एक केवल एक जीता है। जगरनॉट्स के स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा ने आगामी मैच के लिए ओडिशा एफसी के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों की मानसिक और शारीरिक रिकवरी सुनिश्चित करना सबसे महत्वपूर्ण होता है। हम अगले मैच को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि इसमें जीत हमें आगे बढ़ाएगी।

पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस ने कहा कि उनकी टीम मैच से पूरे तीन अंक जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा, हर कोई जानता है कि यह एक महत्वपूर्ण मुकाबला है। हमारे पास छह फाइनल बचे हैं और हम इस मैच को जीतने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

बता दें कि दोनों टीमों के बीच तीन आईएसएल मैचों में ओडिशा एफसी ने दो बार जीत हासिल की है, जबकि पंजाब एफसी एक बार विजयी हुई है।

मेकअप

एक बार जरूर ट्राई करें ये मेकअप, चेहरे पर आएगा ग्लो



स्मोकी आईज, बोल्ड लिप्स और दमकता चेहरा इन दिनों अरेबिक मेकअप ट्रेंड में छाया हुआ है। त्योहार के इस मौसम में अपने चेहरे को दें अरेबियन मेकअप का टच। मेकअप की दुनिया में रोज नए एक्सपेरिमेंट होते रहते हैं। आज की युवा पीढ़ी डिफरेंट लुक की दीवानी है और वह नए ट्रेंड को अपनाने से भी नहीं हिचकिचाती। डार्क लिप शेड्स बोल्ड मेकअप का एक उदाहरण है, जिसे काफी पसंद किया गया। इसी ट्रेंड को आगे ले जा रहा है अरेबिक मेकअप स्टाइल। पार्टी में आपको खास बनाने के लिए अरेबिक मेकअप जरूर करेगा आपकी मदद। इस फेस्टिव सीज़न कैसे बनाएं इसे अपना अंदाज़, आइए जानें।



चेहरा बोलता है: मेकअप की शुरुआत साफ-सुथरी त्वचा से होती है। इसके लिए सबसे पहले अपने चेहरे को क्लीजिंग मिलक से क्लीन करें। ऐसा करने से त्वचा की डीप क्लीनिंग हो जाएगी। पोर्स को मिनिमाइज करने के लिए टोनर से त्वचा को अच्छी तरह साफ करें। टोनर का इस्तेमाल इसलिए जरूरी है, क्योंकि यह त्वचा को मेकअप से होने वाले नुकसान से बचाता है।

आंखों की बातें: अरेबियन लुक में सबसे ज्यादा ध्यान आई मेकअप पर दिया जाता है, इसीलिए इसमें आंखों का मेकअप काफी वाइबेंट और कलरफुल किया जाता है। आकर्षक लुक के लिए अपनी आंखों के इनर कॉर्नर पर सिल्वर, सेंटर में गोल्डन व आउटर कॉर्नर पर डेस से मैचिंग डार्क शेड का आई शेडो लगाएं। इसके बाद कट क्रीज लुक देते हुए ब्लैक कलर से आंखों के आस-पास कोटिंग कर लें। ऐसा करने से आंखें स्मोकी और बड़ी नज़र आएंगी।

होंठों पर खिले मुस्कान: लिप मेकअप करने से पहले हमेशा आई मेकअप को ध्यान में रखना चाहिए, लेकिन अरेबियन मेकअप में ओवरऑल लुक बोल्ड रहता है, इसलिए लिप्स पर भी बोल्ड शेड ही लगाएं। हालांकि ओवरडू से बचने की भी जरूरत है।



लाउड म्यूजिक से कानों को बचाना है तो सीख लीजिए ये तरीका..

अगर आप ईयरफोन पर तेज आवाज में म्यूजिक सुनने के आदी हैं तो आपके कान हमेशा के लिए खराब हो सकते हैं। विशेषज्ञों ने एक बार फिर आगाह करते हुए कहा है कि अधिकतर लोग इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं लेकिन ये आदत बेहद खतरनाक है। न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के ध्वनि वैज्ञानिक विलियम शैपीरो ने लाउड म्यूजिक के खतरे को विस्तृत रूप से समझाया है।

कैसे होते हैं कान खराब

डॉ शैपीरो ने बताया कि हर पांच में से एक किशोर किसी न किसी तरह की सुनने की

परेशानी से जूझ रहा है। उन्होंने बताया कि कानों की अंदर मौजूद हिस्से में छोटे-छोटे बाल होते हैं जो ध्वनि को तरंगों के रूप में कैच करते हैं। ये बाल ध्वनि को पहचानने और समझने के लिए सबसे जरूरी होते हैं। हालांकि ये बाल बेहद नाजुक होते हैं और एक भी बाल नष्ट होने से सुनने की बीमारी हो सकती है।

खराब होते हैं कान

डॉ शैपीरो ने कहा, जब लोग ईयरफोन लगाते हैं तो वो ईयर ड्रम के करीब पहुंचकर इन्हीं बालों को नुकसान पहुंचाता है। लोग जितना म्यूजिक

लाउड करते हैं उतना ही ज्यादा खतरा इन बालों पर पड़ता है।

नहीं होगा कानों को नुकसान

डॉक्टर शैपीरो ने बताया कि अगर आप ईयरफोन से म्यूजिक सुन रहे हैं तो सबसे बेहतर तरीका है कि सिर्फ 60 पर्सेंट वॉल्यूम पर सुनें और पूरे दिन में 60 मिनट से ज्यादा न सुनें। इसके अलावा उन्होंने कहा कि संगीत सुनने लोग वाले ऐसा हेडफोन यूज कर सकते हैं जो बाहर से आने वाली आवाजों को रोकता है जिससे लोग वॉल्यूम नियंत्रित रखते हैं।

टाई और लपेल पिन्स को ऐसे करेंगे कैरी तो दिखेंगे स्टाइलिश



अक्सर ऐसे देखने को मिलता है कि मेंस अपने को स्टाइलिश टच देने के लिए सूट ड्रेस को सबसे पहले पिफर करते हैं। जिनमें टाई और लपेल पिन्स की खास भूमिका होती है। स्टाइलिश टच चाहते हैं तो टाई व लपेल पिन्स को टाई करना न भूलें। यह सिंगल पीस एक्सप्रेसरी न सिर्फ टाई व कोट के कॉलर की शोभा बढ़ाती है बल्कि ड्रेस की वेल्यू को कई गुना बढ़ा देती है। टाई और लपेल पिन्स

ऐसे करें कैरी

- * ऑफिस मीटिंग में फॉर्मल टच चाहते हैं तो इस सिंगल पीस टाई पिन का चुनाव करें।
- * राउंड शैप की इस पिन को लाइट शेड की टाई के साथ मैच करें।
- * अगर डेट पर जाना हो तो हार्ट शैप की इस रोमैटिक पिन को कैरी करें।
- * चैन वाली इस पिन को खास अवसर पर इस्तेमाल करें।
- * शैप वाली इस लपेल पिन को कोट के कॉलर पर पिनअप करें। इससे स्टाइलिश व कूल दिखेंगे।

सक्सेस मंत्र : दूसरों की मदद करते रहें, कोई काम छोटा बड़ा नहीं होता



एक आदमी, एक दिन एक पेंटर को लेकर आया और उसे अपनी नाव पेंट करने के लिए कहा। नाव पेंट करने के दौरान पेंटर ने देखा की नाव में एक छेद है। पेंटर ने इसके बारे में नाव के मालिक को कुछ नहीं बताया और अपनी समझदारी से उस छेद को भर दिया। काम खत्म होने के बाद मालिक ने पेंटर को पैसे दिए और वो चला गया। अगले दिन मालिक दोबारा उस पेंटर के पास आया और उसे पैसे का एक और चेक दिया। एक और चेक देखकर पेंटर हैरान रह गया और उसने पूछा आप मेरे काम के पैसे मुझे पहले ही दे चुके हैं फिर ये एक और चेक किस लिए? इस पर मालिक ने जवाब दिया कि ये पैसे तुम्हारे नाव पेंट करने के नहीं हैं ये पैसे जो तुमने जिस समझदारी से नाव के छेद को भर दिया ये उस चीज के हैं। इस पर पेंटर ने जवाब दिया पर इतने छोटे से काम के लिए इतने सारे पैसे? मालिक ने बताया जो तुमने किया वो छोटा सा काम नहीं था, मैं तुम्हें बताना भूल गया था कि नाव में एक छेद भी है। जब वो नाव सूख गई तो मेरे बच्चे उस बोट को मछली पकड़ने के लिए ले गए, मैं उस वक्त घर पर नहीं था। जब मैं घर वापस आया और देखा नाव नहीं है तो मैं घबरा गया क्योंकि मुझे याद आया की उस नाव में तो छेद था और वो पानी में डूब सकती थी। लेकिन जब मैंने अपने बच्चों को सही सलामत घर आते देखा तो तुम सोच की नहीं सकते कि मुझे कितनी खुशी हुई होगी। फिर मैंने देखा कि नाव में जो छेद था वो भरा जा चुका है और इस तरह तुमने मेरे बच्चों की जान बचा ली। इससे ये पता चलता है कि कोई भी काम छोटा बड़ा नहीं होता।

पहली बार आया है नन्हा मेहमान, ऐसे रखें ध्यान



आप पहली बार पैरेंट्स बने हैं, तो रिश्तेदारों और दोस्तों से तमाम तरह की सलाह मिलती हैं। पैरेंट्स को यह समझ ही नहीं आता कि वह किसे मानें और किसे छोड़ दें। कई बार अन्य तरह की उलझनें भी पैरेंट्स को परेशान करती हैं। हम आपको बता रहे हैं कि बच्चे के आने के बाद कैसे लाइफ को मैनेज करें...

सलाह के बिना न मानें कोई बात

पहली बार पैरेंट्स बनने के बाद आपको कई लोग तमाम तरह की सलाह देते हैं और घरेलू उपाय बताते हैं। हालांकि आप सभी को सुनें, लेकिन घरेलू उपाय या किसी के द्वारा बताई गई दवा को बिना डॉक्टर की सलाह के न लें।

टाइम मैनेज करें

ऐसा टाइमटेबल बनाएं जहां आप और आपके पार्टनर अपने काम को बांट लें। इसमें आप छोटे-छोटे काम बांट सकते हैं जैसे कि बच्चे को खाना

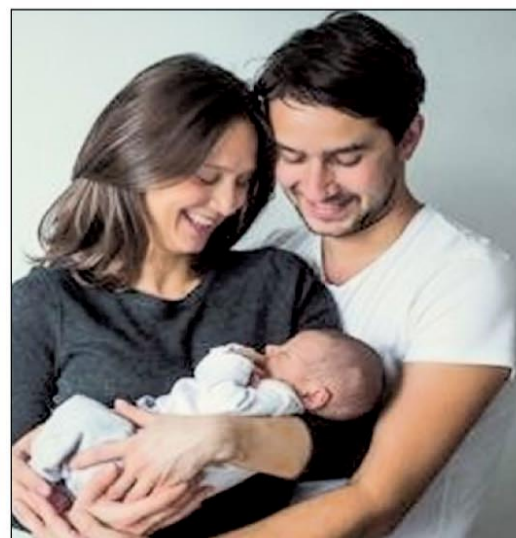
खिलाना, उसके कपड़े चेंज करना वगैरह। साथ ही अपने ऑफिस को भी ऐसे मैनेज करें कि जब आप घर हों, तो पार्टनर ऑफिस जा सके और जब आप ऑफिस जाएं तो पार्टनर घर पर रहे।

गलतियों से सीखें

पहली बार पैरेंट्स बने सभी लोग गलती करते हैं, जाहिर है कि कुछ गलतियाँ आपसे भी होंगी, लेकिन बेहतर है कि उन गलतियों से सीख ली जाए और फिर उन्हें न दोहराया जाए।

बच्चे का भी हो एक बजट

चूंकि अब आपके परिवार में एक महत्वपूर्ण सदस्य और जुड़ गया है, तो अपने घर का बजट उसकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाएं। इसके साथ ही कोशिश करें कि बच्चे की दवा और अन्य जरूरतों के हिसाब से उसके लिए अलग से एक बजट बनाएं जिसमें आप अलग से पैसे डालें।



खाना खजाना

झटपट पनीर



सामग्री

तेल : 1 चम्मच, अजवाइन : 1/2 चम्मच, लहसुन : 2 चम्मच, हरी मिर्च : 1 चम्मच, कैचअप : 3 चम्मच, चिली सॉस : 2 चम्मच, लाल मिर्च : 1/4 चम्मच, काली मिर्च : 1/4 चम्मच, चिली फ्लेक्स : 1 चम्मच, चाट मसाला : 1 चम्मच, नमक : 1 चम्मच, पीनट बटर : 2 चम्मच, पनीर : 500 ग्राम, सरसों का पेस्ट : 1 चम्मच

विधि

एक बड़ी कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल गरम करें। इसमें 1/2 चम्मच अजवाइन, 2 चम्मच लहसुन, 1 चम्मच हरी मिर्च डालकर 3 से 5 मिनट के लिए भूनें, जब तक कि यह सुनहरा भूरा न हो जाए। फिर इसमें 3 चम्मच कैचअप और 2 चम्मच चिली सॉस डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। अब 1/4 चम्मच लाल मिर्च, 1/4 चम्मच काली मिर्च, 1 चम्मच चिली फ्लेक्स, 1 चम्मच चाट मसाला, 1 चम्मच नमक डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इसके बाद 2 चम्मच पीनट बटर डालकर मिलाएं। फिर 500 ग्राम पनीर को इसमें अच्छे से मिलाएं। अब 1 चम्मच सरसों का पेस्ट डालकर अच्छे से मिलाएं। आपका झटपट पनीर तैयार है। इसे गर्मा-गर्म परोसें।